14 (HIN–4) 4045

2022

HINDI

Paper : HIN–4045

(Tulnātmak Bhāratiya Sāhitya : Asamiyā)

(तुलनात्मक भारतीय साहित्य : असमीया)

Full Marks : 64

Time : Three hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

1. सही विकल्प का चयन करते हुए निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पुर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) राम सरस्वती का मूल नाम है—

(i) अनिरुद्ध

(ii) वाण

(iii) हर

(iv) हरि

(ख) इनमें से कौन-सी रचना अनंत कंदलि की है ?

(i) ब्रह्मगीता

(ii) भक्ति रस तरंगिणी

(iii) जीवतुति

(iv) कथा रत्नावली

(ग) रत्नाकर कंदलि की रचना है —

(i) मनसा-पुराण

(ii) बिष्णुर सहस्र नाम बृत्तांत

(iii) नल-दमयंती

(iv) पद्मा-पुराण

(घ) "देख विषम विपाक मिलाल। कि भेल : आगु पाछु संकाश सेनासब बेढ़ल : इहार आगु हामुसब कोन पतंग"— एसा कहा है—

(i) दैवकी

(ii) रुक्मिणी

(iii) वेदनिधि

(iv) शिशुपाल

(ङ) इनमें से कौन-सी रचना शंकरदेव की है?

(i) आदिकाण्ड रामायण

(ii) उत्तराकांड रामायण

(iii) अर्जुन भंजन

(iv) रासयात्रा

(च) शंकरदेव ने अंकीया नाट को इनमें से किस नाम से अभिहित नहीं किया है ?

(i) यात्रा

(ii) नृत्य

(iii) अंकीया नाट

(iv) नाटक

(छ) डॉ० वाणीकान्त काकति ने बरगीतों को कहा है —

(i) Noble numbers

(ii) Songs celestial

(iii) Holy songs

(iv) Great songs

(ज) "असमीया ब्रजबुलि भाषाटो मिथिलार परा अना एटा सम्पूर्ण कृत्रिम भाषा नहय । नतुबा बंगदेशर माजेरेओ इ असमत प्रवेश करा नाइ। इयार भित्रि हैछे चर्यापदर भाषाइ प्रतिनिधित्व करा पूर्ब प्रचलित साहित्यिक भाषाटोहे।"—इस मत के पोषक हैं —

(i) नवीन चन्द्र शर्मा

(ii) उपेंद्र नाथ गोस्वामी

(iii) सत्येन्द्रनाथ शर्मा

(iv) कृष्ण नारायण प्रसाद 'मागध'

(झ) असमीया स्वच्छंदतावादी काव्य-धारा का मुख्य विषय नहीं है —

(i) सामान्य मानव को मानवता की दृष्टि से देखना

(ii) ग्रामीण जीवन की सरलता को अपनाना

(iii) अतीत की कीर्तिगाथा का गायन

(iv) विदेशों के विकसित ज्ञान से स्वदेश की प्रगति करना

(ञ) इनमें से कोन-सी काव्य-कृति नलिनीबाला देवी की नहीं है ?

(i) जागृति

(ii) अलकानन्दा

(iii) युगदेवता

(iv) स्वदेशभक्ति

2. निम्ननिखित प्रश्नों के उत्तर अत्यंत संक्षेप में दीजिए : 2×7=14

(क) *किन्हीं दो* वध-काव्यों के नाम लिखिए।

(ख) शंकरदेव ने एक ही महाभारतीय प्रसंग के आधार पर दो रचनाएँ की हैं। उन रचनाओं के नाम लिखिए।

(ग) "चाँदमुखी पेखिते मधाइ।
चलिल लीलगति भुवन भुलाइ।"
— संदर्भ स्पष्ट कीजिए।

(घ) "कहय माधव माइ किनो तपसाइला।"—कवि के ऐसा कहने का तात्पर्य क्या है ?

(ङ) 'झुमुरा' क्या है ?

(च) "उषाइ मिचिकि हाँहे हेङुलि आँचल मेलि
अरुणर सोणाली रथत"
— आशय स्पष्ट कीजिए।

(छ) "गोवाहे एबार मोर प्रिय बिहंगिनि' —कवि ने ऐसा क्यों कहा हे ?

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से ***किन्हीं दो*** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×2=10

(क) 'कीर्तन-घोषा' पर एक टिप्पणी लिखिए।

(ख) 'नामघोषा' का परिचय दीजिए।

(ग) 'रुक्मिणी-हरण नाट' में वेदनिधि की भूमिका पर विचार कीजिए।

(घ) रघुनाथ चौधारी के प्रकृति-चित्रण पर चर्चा कीजिए।

(ङ) नलिनीबाला देवी की कविताओं में चित्रित रहस्य भावना पर प्रकाश डालिए।

4. *किसी एक* अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

10×1=10

(क) ओहि परकारे; श्रीकृष्णक रथ वाउ बेगे चले। तथि आलोल्य ब्राह्मण बेदनिधि रथबेगे श्रुतिभंग हुया परल। हात पाव थिर भेल ; पेट उफन्दल। नासात निस्वास नाहि निःसरे ; जैचे मृतक : तद्वत अचेतन भेल। ताहे पेखिए श्रीकृष्ण हाहा बुलि सिरे जल सिंचिए, फुँकि फुँकि धातु आनल।

(ख) दुखीयार भङा पँजा
एकोखनि तीर्थ तात
एकोखनि पुण्यर आश्रम,
मरिले पुनर आहि
दुखीया देशते मोर
लओं जेन पुनर जनम ।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से ***किन्हीं दो*** के सम्यक् उत्तर दीजिए :

10×2=20

(क) असमीया वैष्णव साहित्य पर एक सारगर्भित लेख लिखिए।

(ख) 'रुक्मिणी-हरण नाट' के आधार पर शंकरदेव की नाट्य-कला की समीक्षा कीजिए।

(ग) माधवदेव के बरगीतों की विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

(घ) रघुनाथ चौधारी की कविताओं के अनुभूति पक्ष पर उदाहरण-सहित विचार कीजिए।